संक्षिप्त परिचय

अपने गौरवशाली इतिहास और उदात्त जीवन मूल्यों से समन्वित सांस्कृतिक परम्पराओं को धारण करने वाले सुजलांचल ने व्यापार वाणिज्य के क्षेत्र में भी श्लाघनीय वैशिष्ट्य बनाया है। इसी सुजलांचल के जसवन्तगढ़ कस्बे के तापड़िया परिवार ने अपनी साधना के बल पर एक ओर जहाँ औद्योगिक क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी महत्ता स्थापित की, वहीं दूसरी ओर इस शिक्षानुरागी परिवार द्वारा जसवन्तगढ़ एवं देश-विदेश में शिक्षा प्रसार में किया गया योगदान प्रशंसनीय है। परम्परा और आधुनिकता को युग सत्य । के आलोक में महत्त्व प्रदान करते हुए तापड़िया परिवार द्वारा अधुनातन ज्ञान विज्ञान के शिक्षा केन्द्रों के साथ-साथ, जीवन मूल्यों। को धारण करने वाली परम्परागत संस्कृत शिक्षा को भी समान महत्त्व दिया गया है । इसी क्रम में भारतीय संस्कृति के संरक्षण-संवर्द्धनार्थ बसंत पंचमी, विक्रम संवत् 1995 तदनुसार सन् 1938 को एक संस्कृत विद्यालय की स्थापना **स्व. सेठ श्री सूरजमल जी तापड़िया** द्वारा की गई । वर्तमान में उनके सुपुत्र श्रीयुत बजरंगलालजी तापड़िया, श्रीयुत महावीरप्रसादजी तापड़िया एवं ! सुपौत्र श्रीयुत शिवरतनजी तापड़िया के संरक्षण में निरन्तर गतिशील यह संस्था स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय के रूप में शिक्षा प्रसार कर रही है।

प्रारंभिक वर्षों में विद्यालय के रूप में विकास कर कालान्तर में यह संस्था म.द.वि.अजमेर से सम्बद्ध हो गई है । सत्र 2001-02 से राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर की स्थापना होने से यह महाविद्यालय आचार्य पर्यन्त इस विश्वविद्यालय ! से सम्बद्धता प्राप्त है। श्री सेठ सूरजमल तापड़िया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय को संस्कृत के विभिन्न विद्वानों ने प्राचार्य रूपेण नेतृत्व प्रदान कर इस संस्था को विकास के नये आयाम प्रदान किये हैं । अध्ययन-अध्यापन के वैशिष्ट्य, समृद्ध पुस्तकालय, व्यवस्थित कम्प्यूटर लैब, छात्र-छात्राओं के लिए पृथक् पृथक् आधुनिक सुविधा सम्पन्न छात्रावासों एवं खेल सुविधाओं से युक्त यह महाविद्यालय संस्कृत शिक्षा के उच्च अध्ययन के क्षेत्र में राजस्थान में अपना विशिष्ट स्थान रखता है ।

भारतीय संस्कृति के पोषण के क्रम में ट्रस्ट द्वारा **'श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया वेद विद्यालय'** की स्थापना की गई है। इस वेद विद्यालय में 27 छात्र शुक्लयजुर्वेद का सस्वर अध्ययन कर रहे हैं ।

ट्रस्ट द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रदेश भर से संस्कृत महाविद्यालय में अध्ययनार्थ प्रविष्ट विशेषकर ग्रामीण अंचल की बालिकाओं के लिए **श्रीमती शशि देवी तापड़िया बालिका छात्रावास** का निर्माण करवाया है । इस छात्रावास में 50 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है।

पाठ्यक्रम

उपाधि	अवधि	वि.वि. परीक्षा निकाय	प्रवेश के लिए निर्धारित पात्रता	उपलब्ध विषय
शास्त्री (बी.ए.)	3 वर्ष	जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।	प्रथम खण्ड में प्रवेश हेतु वरिष्ठ उपाध्याय या उच्च माध्यमिक अथवा तत्सम मान्य परीक्षा न्यूनतम 40 प्र.श. अंको से उत्तीर्ण पात्र	नव्य व्याकरण ज्योतिष फलित संस्कृत साहित्य अंग्रेजी साहित्य हिंदी साहित्य
आचार्य (एम.ए.)	2 वर्ष	जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।	प्रथम खण्ड में प्रवेश हेतु व्याकरण मुख्य वैकल्पिक विषय सहित शास्त्री या तत्सम परीक्षा न्यूनतम 40 प्र.श. अंको से उत्तीर्ण पात्र	नव्य व्याकरण ज्योतिष फलित संस्कृत साहित्य
डिप्लोमा पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड PGDYT	1 वर्ष	जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।	किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण पात्र किसी भी विषय में शास्त्री या किसी भी विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय में स्नातक उत्तीर्ण	

विद्यालय विभाग

उपाध्याय XI वरिष्ठ उपा. XII	1 वर्ष 1 वर्ष	राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से प्रवेशिका या सैकण्डरी उत्तीर्ण अथवा तत्सम मान्य परीक्षा (संस्कृत)	हिंदी अंग्रेजी वाङ्मय ज्योतिष / नव्य व्याकरण / साहित्य हिन्दी साहित्य / अंग्रेजी साहित्य
प्रवेशिका X पूर्व प्रवेशिका IX	1 वर्ष 1 वर्ष	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर	मा.शि.बोर्ड अजमेर द्वारा संचालित पाठ्यक्रम
अष्टम् VIII सप्तम् VII षष्ठ VI	1 वर्ष 1 वर्ष 1 वर्ष	उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर संभाग, अजमेर	

प्रवेश नियम

1. महाविद्यालय में प्रवेश राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय तथा निदेशालय, संस्कृत शिक्षा राजस्थान द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत ही दिया जायेगा
2. प्रवेशार्थ निर्धारित आवेदन पत्र विवरणिका के साथ रु. 200 नगद भुगतान कर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
3. आवेदन पत्र पूर्ति के पश्चात् जमा करवाने की निदेशक, संस्कृत शिक्षा राजस्थान द्वारा निर्धारित अन्तिम तिथि है।
4. अपूर्ण, असत्य विवरण तथा आवश्यक दस्तावेज आदि संलग्न नहीं करने की स्थिति में आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा।
5. छात्र-छात्रा पूर्वोत्तीर्ण परीक्षा की अंकतालिका/प्रमाण पत्र में अपना नाम जिस प्रकार लिखा है, उसी प्रकार आवेदन पत्र में लिखें।
6. आवेदन पत्र में अपने घर का वही पता लिखें, जिसके लिए दीर्घावकाश में कन्सेशन लेना होगा।
7. प्रवेश नवीनीकरण की स्थिति में छात्र-छात्रा अपने अभिभावक का पता लिखें 2 पोस्टकार्ड तथा उत्तीर्ण परीक्षा की अंकतालिका की प्रतिलिपि सहित आवेदन प्रस्तुत करेंगे।
8. नवीन प्रवेशार्थ आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित दस्तावेज आवश्यक हैं:-
    क. योग्यता परीक्षा की अंकतालिका की सत्यापित दो प्रतियाँ।
    ख. जन्म तिथि प्रमाण स्वरूप प्रवेशिका/सैकण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा की अंकतालिका/प्रमाण पत्र की प्रति।
    ग. योग्यता परीक्षा स्वरूप प्रवेशिका/सैकण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा की अंकतालिका/प्रमाण पत्र की प्रति।
    घ. अनु.जाति/अनु.जनजाति/विकलांगता, खेलकूद, स्काउट-गाइड आदि प्रमाण-पत्रों की सत्य प्रति।
    ङ. ङ. आवेदन जमा करवाते समय पूर्व शिक्षण संस्था द्वारा जारी स्थानान्तरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र। प्रमाण पत्र मूल जमा करवाने होंगे। योग्यता परीक्षा स्वयंपाठी अभ्यर्थी के रूप में उत्तीर्ण करने की स्थिति में दो राजपत्रित अधिकारियों/संभ्रान्त व्यक्तियों द्वारा जारी प्रमाण पत्र जमा करवाने होंगे।
9. सभी प्रवेशार्थियों को आवेदन पत्र पर फोटो लगाना आवश्यक है।
10. अन्य बोर्ड/वि.वि से आने वाले छात्र-छात्राओं को प्रवजन प्रमाण पत्र (माइग्रेशन) प्रस्तुत करना होगा।
11. विश्वविद्यालय नामांकन हेतु नामांकन आवेदन पत्र के साथ यथा समय छात्र-छात्रा को मूल अंकतालिका प्रस्तुत करनी होगी।
12. वरिष्ठ उपाध्याय/उच्च माध्य. परीक्षा/शास्त्री तृतीय खण्ड में में पूरक घोषित छात्र-छात्राओं को अस्थायी प्रवेश लेना होगा, पूरक परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश संभव नहीं है। पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में अस्थायी प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।
13. अनुत्तीर्ण छात्र-छात्रा को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
14. गत सत्र में न्यून उपस्थिति वाले/अनुशासनहीन प्रवेशार्थियों का प्रवेश अस्वीकार करने का प्राचार्य को अधिकार है।

महाविद्यालय वैशिष्ट्य

सामान्य नियम

1. महाविद्यालय परिसर में अमर्यादित आचरण करने, अनुशासनहीनता, न्यून उपस्थिति होने पर सम्बन्धित छात्र-छात्रा को तुरन्त प्रभाव से संस्था से पृथक् किया जा सकता है ।

2. नियमित छात्र-छात्रा के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार 75 प्र.श. उपस्थिति आवश्यक है। अन्यथा स्वंयपाठी के रूप में परीक्षा देनी होगी ।

3. प्रवेश के समय चयनित विषय परिवर्तित नहीं होगा। विशेष परिस्थिति में प्रवेश के 20 दिन के अन्दर परिवर्तन की अनुमति के अलावा परिवर्तन किसी भी स्थिति में संभव नहीं होगा ।

एन.सी.सी

विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में एन.सी.सी. यूनिट खुलवाने हेतु प्रयासरत है । एन.सी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर के अनुसार प्रतीक्षारत सूची में महाविद्यालय का प्रथम स्थान है ।

रोवर-रेंजर (स्काउटिंग) प्रवृत्ति

महाविद्यालय में भारत स्काउट गाइड संगठन का ग्रुप संचालित है, जिसके अन्तर्गत छात्र-छात्राएं प्रशिक्षित रोवर लीडर एवं रेंजर लीडर के नेतृत्व में रोवर (स्काउटिंग) एवं रेंजर गाइडिंग की प्रवृत्तियों में भाग लेकर प्रवीण, निपुण एवं राष्ट्रपति प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रवृत्ति से जुड़कर चरित्र निर्माण के साथ-साथ देश-विदेश भ्रमण के सुअवसर भी प्राप्त होते हैं ।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने तथा उनके अंदर समाजसेवा के जज्बे को कायम रखने हेतु विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाई संचालित हो रही है।

महाविद्यालय पुस्तकालय

महाविद्यालय में सुसज्जित एवं समृद्ध पुस्तकालय है, सम्पूर्ण वाङ्मय के सांगोपांग अध्ययन-अध्यापन और प्रशिक्षण में सहायता के लिए पुस्तकालय में पुस्तकों का विशाल संग्रह है। शोध पत्रिकाएं, सामयिक पत्रिकाएं एवं महत्त्वपूर्ण दैनिक पत्रिकाएं खरीदी जाती हैं। पुस्तकालय में वेद, धर्मशास्त्र, पुराण, वेद विज्ञान, व्याकरण, ज्योतिष, दर्शन, साहित्य एवं शिक्षा इत्यादि विषयों पर प्रकाशित महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का संग्रह है । संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत समस्त अकादमिक संस्थाओं द्वारा प्रकाशित महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का संग्रह है। संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत समस्त अकादमिक संस्थाओं का प्रकाशित साहित्य भी पुस्तकालय में संगृहीत किया जा रहा है। दुर्लभ ग्रन्थों एवं पाण्डुलिपियों को संग्रह करने का प्रयास जारी है, जिसमें यह पुस्तकालय संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध का प्रतिष्ठित पुस्तकालय बन सके ।

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकालय में दो वाचनालय हैं। वाचनालय में पत्र-पत्रिकाओं के प्रदर्शन की समुचित व्यवस्था है। वर्तमान में लगभग 200 पाठक प्रतिदिन पुस्तकालय का लाभ उठा रहे हैं ।

पुस्तकालय का समय समय पर विशिष्ट अतिथियों द्वारा अवलोकन किया जाता रहा है। पुस्तकालय से नियमित छात्र-छात्राओं को एक साथ दो पुस्तकें, अधिकतम दो सप्ताह के लिए वितरित की जाती है, लौटाने में विलम्ब होने पर अर्थदण्ड का प्रावधान है ।

सभी नियमित छात्र-छात्राओं को प्रायः सभी संस्कृत पाठ्य पुस्तकें महाविद्यालय बुक बैंक से पूरे सत्र के लिए शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं । पाठ्यक्रम में परिवर्तन बाजार में सम्बन्धित पुस्तक की अनुपलब्धता आदि के कारण पाठ्य पुस्तकें बुक बैंक से उपलब्ध करवाने में कभी विलम्ब भी हो सकता है, छात्र-छात्रा को अध्ययनार्थ पुस्तकें प्राप्त करने हेतु अपने स्तर पर सचेष्ट रहना चाहिए । बुक बैंक की पुस्तक पर नाम लिखने, पृष्ठ फाड़ने या अन्य प्रकार की क्षति पहुंचाने की स्थिति में पुस्तकालयाध्यक्ष स्वविवेक से अर्थदण्ड का निर्धारण करेंगे ।

परीक्षा समाप्ति के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर पुस्तक नहीं लौटाने पर, निम्नानुसार अर्थदण्ड का प्रावधान है:-

1. ग्रीष्मावकाश से पूर्व लौटाने पर एक पुस्तक के लिए 5/-रु. अधिकतम 20/-रु. देय होगा ।

2. पुस्तकें ग्रीष्मावकाश से लेकर अगले सत्र में 31 जुलाई तक लौटाने की स्थिति में 50/- रु. देना होगा ।

3. पुस्तकें अगले सत्र में 1 अगस्त से 31 दिसम्बर तक की अवधि में लौटाने पर 100/-रु. देना होगा ।

4. पुस्तकें अगले सत्र 1 जनवरी से 31 मार्च के मध्य लौटाने पर 250/-रु. देय होगा ।

5. पुस्तकें अगले सत्र 31 मार्च के पश्चात् लौटाने की स्थिति में 500/-रु. देना होगा ।

कम्प्यूटर लैब

कम्प्यूटर लैब की स्थापना नवम्बर 2007 में की गई थी । वर्तमान में कम्प्यूट्र लैब में 30 अत्याधुनिक कम्प्यूट्र स्थापित हैं । सभी कम्प्यूट्र्स को नेटवर्किंग के द्वारा जोड़ा गया है। लैब में इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है । विभिन्न प्रकार के कार्यों छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर लैब में वर्तमान समय में काम आने वाले सभी कम्प्यूट्र सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। इनके अतिरिक्त छात्रों, अध्यापकों, कर्मचारियों के लिए विभिन्न विषयों से सम्बन्धित पुस्तकें उपलब्ध हैं ।

माननीय ट्रस्टी महोदय के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन से कम्प्यूट्र सेन्टर द्वारा छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए सायंकालीन पाठ्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (पी.जी.डी.सी.ए) प्रारम्भ किया गया है, जिससे महाविद्यालय के छात्रों/अध्यापकों/कर्मचारियों के साथ-साथ बाहर के छात्र भी लाभान्वित हो रहे हैं ।

छात्रावास

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित महाविद्यालय के तीन छात्रावास 2 छात्रों के लिए, 1 छात्राओं के लिए संचालित हैं । छात्रावास में प्रवेश एवं आवास पूर्णतः शुल्क हैं । वास्तविक भोजन व्यय सहकारिता के आधार पर छात्र-छात्राओं से लिया जाता है । छात्रावास में अनुशासन की पूर्ण पालना नहीं करने की स्थिति में छात्र-छात्रा को तुरन्त छात्रावास से पृथक् किया जा सकता है। छात्रावास में उपलब्ध सीटों के लिए प्रवेश योग्यता परीक्षा के प्राप्ताकों की वरीयता के आधार पर देय होगा ।

छात्रवृत्तियाँ

1. सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति के रूप में उनसे लिया गया परीक्षा शुल्क पुनः उनके खातों में जमा करवा दिया जाता है ।

2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 20 आवासीय छात्र-छात्राओं में से प्रत्येक को 3000/-रु. वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है ।

3. निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान, जयपुर से छात्र-छात्राओं को योग्यता आधारित छात्रवृत्तियां नियमानुसार प्रदान की जाती हैं:-

उपाध्याय - वरिष्ठ उपाध्याय -	300 रु. वार्षिक
शास्त्री कक्षाएं -	600रु. वार्षिक
आचार्य कक्षाएं -	1000 रु. वार्षिक

4. समाज कल्याण विभाग से अनु.जाति/अन.जन.जाति एवं विकलांग छात्र-छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति विभाग के नियमानुसार ।

5. मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के तहत प्राप्त छात्रवृत्तियां ।

सरस्वती वंदना

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी, अम्ब विमल मति दे,

अम्ब विमल मति दे ।

जग सिरमौर बनाएँ भारत, वह बल विक्रम दे।।१।। हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी....

लव, कुश, ध्रुव, प्रहलाद बनें हम, मानवता का प्रास हरें हम,

सीता, सावित्री, दुर्गा माँ फिर घर घर भर दे ।

अम्ब विमल मति दे ।।3।। हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी.....

साहस शील हृदय में भर दे, जीवन त्याग, तपोमय कर दे ।

संयम, सत्य, स्नेह का वर दे, स्वाभिमान भर दे ।

अम्ब विमल मति दे।।2।। हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी.....

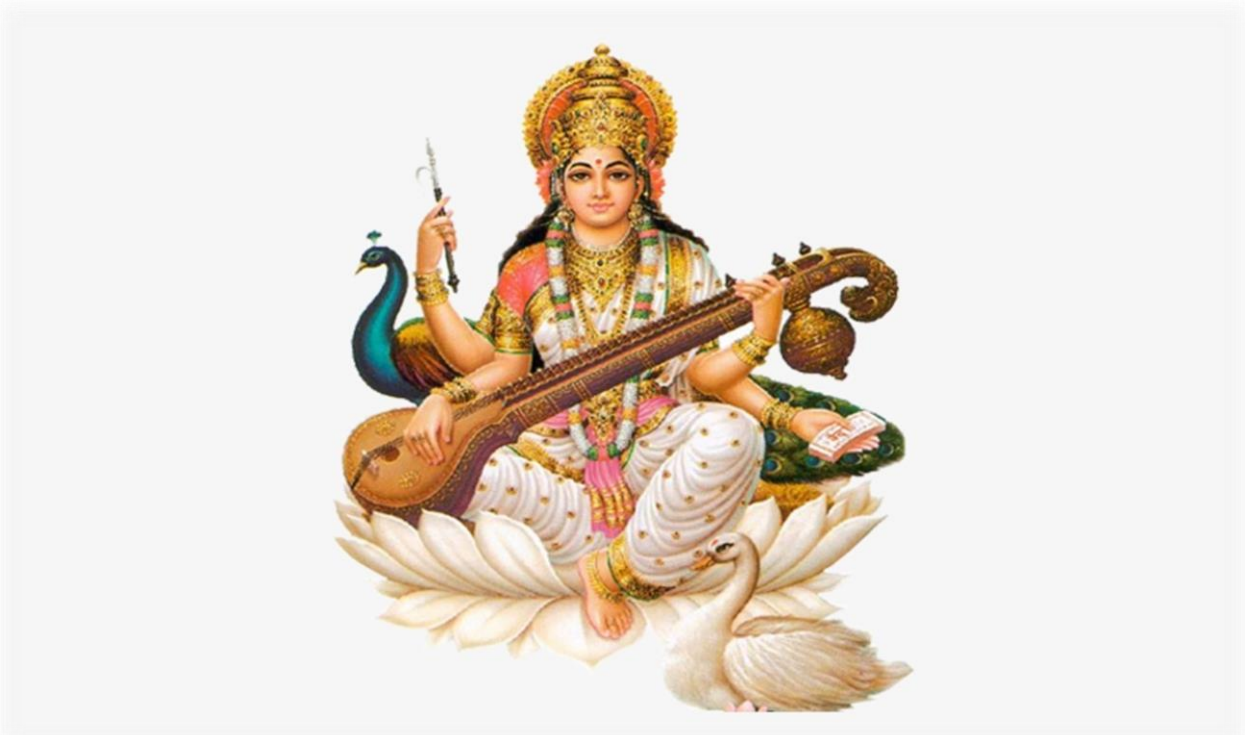

आयोजित होने वाले कार्यक्रम / स्पर्धाएं

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए समय-समय पर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है।

1. संस्कृत संभाषण शिविर-

2. ज्योतिष प्रशिक्षण शिविर-

3. कर्मकाण्ड प्रशिक्षण शिविर-

4. व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर

5. कम्प्यूटर प्रशिक्षण शिविर

6. अंग्रेजी सम्भाषण शिविर

7. शिक्षक दिवस

8. छात्र अभिभावक सम्मेलन

9. गीता स्पर्धा

10. भाषण स्पर्धा (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी)

11. निबन्ध स्पर्धा (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी)

12. शलाका परीक्षा (क.) व्याकरण (खा.) साहित्य

13. श्लोक रचना एवं समस्या पूर्ति

14. प्रश्नोत्तर स्पर्धा (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान)

15. केरियर डे

16. ऐतिहासिक भ्रमण

17. सांस्कृतिक संध्या

18. बसन्त पंचमी

19. पर्यावरण दिवस - 5 जून

20. संस्कृत दिवस - श्रावणी पूर्णिमा

21. हिन्दी दिवस 14 सितम्बर

22. विशिष्ट व्याख्यानमालाएं